

बुलाने से नहीं आते | By Mukesh Bagda |

बुलाने से नहीं आते
तो शक ये तुमपे करते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो ।
शिकायत हम नहीं करते,
गुज़ारिश तुमसे करते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो ॥

सदाएँ देख रहे हैं हम,
सदाएँ सुन के आ जाओ,
फ़क़त बस एक झलक अपनी,
प्रभु हमको दिखा जाओ ।
अरज़ हमरी नहीं सुनते,
तो मन ही मन में डरते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो ॥

ये जग रूटे नहीं परवाह,
नहीं तुम रूटना हमसे,
हमेशा याद करते हैं,
नहीं तुम भूलना हमको ।
लगे जब चोट भाव पर,
तभी तो भक्त कहते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो ॥

तड़पते हैं तुम्हारे बिन,
सज़ा अब और ना देना,
कहे तुमसे 'रवि' भी ये,
परीक्षा और ना लेना ।
ये मौका फिर नहीं देना,
भक्त ये फिर से कह बैठे,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
परीक्षा और ना लेना ॥

बुलाने से नहीं आते,
तो शक ये तुमपे करते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो ॥

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a5%87-by-mukesh-bagda/>